६ पारिभाषिक-शब्द-सूची

अ

अकरणोपशामना	अगुणप्रतिपन्न	अगुणोपशामना
अघाति	अचक्षुदर्शन	अचित्तप्रक्रम
अतिस्थापना	अद्धाक्षय	अधर्म द्रव्य
अधःप्रमत्तगुणश्र	अधःप्रवृत्तभागहार	अधःप्रवृत्तसंक्रम
अधःस्थितिगलन	अनन्तजीविय	अनन्तानुबंधिविसंयोजना
अनादिक नामप्रकृति	अनादिसत्कर्म नामकर्म	अनादिसत्कर्मिक नामप्रकृति
अनादिसत्कर्मिक प्रवृत्ति	अनावर्जितक	अनिकाचित
अनिधत्त	अनुदीर्णोपशामना	अनुपशान्त
अनुभागदीर्घ	अनुभागमोक्ष	अनुभागविपरिणामना
अनुभागसत्कर्म	अनुभागसंक्रम	अनुभागह्रस्व
अनुमानित गति	अनेकान्त	अनेकान्तअसात
अनेकान्तसात	अन्तर	अपर्याप्त निर्वृत्ति
अपूर्व स्पर्धक	अप्रशस्तोपशामना	अभिधाननिबन्धन
अर्थनिबन्धन	अल्पतर उदय	अल्पतर उदी०
अल्पतर संक्रम	अवक्तव्य उदय	अवक्तव्य उदीरणा
अवग्रह	अवधिलंभ	अवस्थित उदय
अवस्थित उदीरणा	अवस्थित संक्रम	अशुभ प्रकृति

आ

आकाश द्रव्य	आगमभावलेश्या	आदिवर्गणा

आदिस्पर्धक	आदेशभव	आनुपूर्वीसंक्रम
आयुष्कघातक	आर्यनन्दी	आर्यमंक्षु
आवर्जित करण	आवासक	आहारतः आत्तपुद्‌गल

उ

उत्कीरणद्धा	उत्तर निर्वर्तना	उत्तरप्रकृतिविपरिणामना
उत्पाद	उदय	उदयगोपुच्छ
उदयमार्गणा	उदीरणा	उदीरणाउदय
उदीरणामार्गणा	उद्वेलनकाणंडक	उद्वेलनभागहार
उद्वेलनसंक्रम	उद्वेल्यमान प्रकृति	उपक्रम
उपभोगतः आत्तपुद्‌गल	उपभोगान्तराय	उपशमसम्यक्त्वगुणश्रेणि
उपशान्त	उपशान्तशामना	उपशामकअध्यवसान

ए

एकस्थानिका	एकस्थिति	एकान्तअसात
एकान्तभवप्रत्ययिक	एकान्तसात	

ओ

ओघभव

क

करणोपशामना	कर्मउपक्रम	कर्मउपशामना
कर्मनिबन्धन	कर्मप्रक्रम	कर्ममोक्ष
कर्मसंक्रम	कषायउदयस्थान	कापोतलेश्या
कालउपक्रम	कालद्रव्य	कालनिबन्धन

कालप्रक्रम	कालसंक्रम	कृतकरणीय
कृतकृत्य	कृष्टि	कृष्णलेश्या
क्षपितकर्मांशिक	क्षेत्रउपक्रम	क्षेत्रनिबद्ध
क्षेत्रनिबन्धन	क्षेत्रप्रक्रम	क्षेत्रसंक्रम

ग

गुण	गुणितप्रतिपन्न	गुणश्रेणि
गुणश्रेणिनिर्जरा	गुणश्रेणिशीर्ष	गुणसंक्रम
गुणितकर्मांशिक	गुणोपशामना	ग्रहणतः आत्तपुद्‌गल

घ

घातस्थान	घातिसंज्ञा	घोलमान जघन्य योग

च

चक्षुदर्शन	चतुर्दशपूर्वधर	चतुःस्थानिक
चारित्र		

ज

जीवगुणहानिस्थानान्तर	जीवद्रव्य	जीवनिबद्ध
जीवविपाकी	**त**	तीसिय
	तद्‌व्यतिरिक्त द्रव्यलेश्या	
तेजोलेश्या	त्रिस्थानिक	

द

दर्शन	दानान्तराय	दारुसमान
दुःख	देशकरणोपशामना	देशघाति
देशप्रकृतिविपरिणामना	देशमोक्ष	देशविपरिणामना
दोगुणश्रेणिशीर्ष	द्रव्य	द्रव्यउपक्रम
द्रव्यउपशामना	द्रव्यनिबन्धन	द्रव्यउपक्रम

द्रव्यमोक्ष	द्रव्यलेश्या	द्रव्यसंक्रम
द्रव्यार्थिक नय	द्विस्थानिक	

ध

धर्मद्रव्य	ध्रुवउदयप्रकृति	ध्रुवउदीरक
ध्रुवउदीरणाप्रकृति	ध्रुवबन्धप्रकृति	ध्रुवोदयप्रकृति

न

नागहस्ती	नामउपक्रम	नामउपशामना
नामनिबन्धन	नामप्रक्रम	नाममोक्ष
नामलेश्या	नामसंक्रम	निकाचनअध्यवसान
निकाचित	निक्षेपाचार्य	निक्षेप
निधत्त	निधत्तअध्यवसान	निबन्धन
निषेकगुणहानिस्थानान्तर	नीललेश्या	नैगम
नोअनुभागदीर्घ	नोअनुभागह्रस्व	नोआगमउपशामना
नोआगमभावलेश्या	नोकर्मउपक्रम	नोकर्मउपशामना
नोकर्मप्रक्रम	नोकर्ममोक्ष	नोकर्मसंक्रम
नोप्रकृतिदीर्घ	नोप्रकृतिह्रस्व	नोप्रदेशदीर्घ
नोप्रदेशह्रस्व	नोस्थितिदीर्घ	नोस्थितिह्रस्व

प

पद्मलेश्या	पयदकरण	परभविक
परभविकनामप्रकृति	परभविकनामबन्धाध्यवसान	परिग्रहतः आत्तपुद्गल
परिणाम	परिणामतः आत्तपुद्गल	परिणामप्रत्ययिक
परित्तजीविय	परिवर्तमान नामप्रकृति	पर्याप्तनिर्वृत्ति
पर्यायार्थिक नय	पर्युदास	पायदकरण
पिण्डप्रकृति	पुद्गल द्रव्य	पुद्गलनिबद्ध
पुद्गलात्त	पुद्गलात्मा	पूर्वधर

पूर्वस्पर्धक	प्रकृतिदीर्घ	प्रकृतिमोक्ष
प्रकृतिसत्कर्म	प्रकृतिसंक्रम	प्रकृतिस्थानउपशामना
प्रकृतिह्रस्व	प्रक्रम	प्रतिग्रह
प्रत्ययनिबन्धन	प्रदेशउदीरकअध्यवसानस्थान	प्रदेशगुणहानिस्थानान्तर
प्रदेशदीर्घ	प्रदेशमोक्ष	प्रदेशविपरिणामना
प्रदेशसंक्रम	प्रदेशसंक्रमणाध्यवसानस्थान	प्रदेशह्रस्व
प्रयोगउदय	प्रशस्तोपशामना	प्रसज्य

ब

बन्धनउपक्रम	बन्धनमार्गणा	

भ

भव	भवग्रहण भव	भवप्रत्ययिक
भवोपगृहीत	भंग	भावउपक्रम
भावनिबन्धन	भावप्रक्रम	भावमोक्ष
भावलेश्या	भावसंक्रम	भुजाकार
भुजाकारउदय	भुजाकारउदीरणा	भुजाकारउपशामक
भुजाकारसंक्रम	भूतबलीभट्टारक	भोगान्तराय

म

ममत्तीतः आत्तपुद्गल	महावाचक क्षमाश्रमण	मार्गणा
मिश्रप्रक्रम	मुक्त	मूलनिर्वर्तना
मोक्ष		

य

योगयवमध्य		

ल

लाभान्तराय	लेश्या	लेश्याकर्म

व

विध्यातभागहार विध्यातसंक्रम विनाश
विपच्चिद विपरिणामिता विपरिणमोपक्रम
विशेषमनुष्य विशेषविशेषमनुष्य वीतरागछद्मस्थ
वीर्यान्तराय वैक्रियिकषट्क व्यंजन

श

शुक्ललेश्या शुभप्रकृति शैलेश्य

ष

षट्षष्टिपद षट्स्थानपतितत्व

स

सचित्तप्रक्रम सत्कर्ममार्गणा सत्कर्मस्थान
सत्कर्मिक समवाय समुच्छिन्नक्रियानिवृत्ति
समुच्छिन्नक्रियाप्रतिपाती सम्यग्दर्शन सर्वकरणोपशामना
सर्वघाती सर्वमोक्ष सर्वविपरिणामना
सर्वसंक्रम संक्रम संक्रममार्गणा
संक्रमस्थान संक्लेशक्षय संप्राप्तितः उदय
संयतासंयत गुणश्रेणि संयमभवग्रहण संयोग
साकारक्षय सादिसान्तनामकर्म सामान्य मनुष्य
सुख सुहदुहपंचय सूक्ष्मक्रियाप्रतिपाती
सेचीयादो उदय स्थानसंज्ञा स्थापना उपक्रम
स्थापना उपशामना स्थापना निबन्धन स्थापना प्रक्रम
स्थापनामोक्ष स्थापनालेश्या स्थापनासंक्रम
स्थितिक्षयजनितउदय स्थितिदीर्घ स्थितिबन्धाध्यवसान
स्थितिमोक्ष स्थितिविपरिणामना स्थितिसत्कर्म
स्थितिसंक्रम स्थितिह्रस्व

ह

हतसमुत्पत्तिक हतसमुत्पत्तिकर्म हतसमुत्पत्तिकक्रम